इत्र और इमरती को मिलेगा जीआई पेटेंट

मुख्यमंत्री ने 30 साल पुरानी यादों को किया ताजा, यहां की सुगंध और मिठास को मिलेगा वैश्विक मंच

जौनपुर। शिराज-ए-हिंद की धरती पर बनने वाली इमरती की मिठास की दुनिया दीवानी है तो यहां का मनभावन इत्र भी सबके कायल करता रहा है। प्रदेश सरकार ने इमरती और इत्र को स्थानीय पहचान दिलाने का काम शुरू कर दिया है। शुक्रवार को जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहत जानकारी दी।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में आयेजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तीन साल पहले की बात को याद करते हुए जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने यहां के इत्र को फिर को फिर से प्रतिष्ठित किया है। अब इसे वैश्विक मंच ले जाने की जरूरत है। इमरती को जीआई (ज्योग्राफिकल इंडिकेशन) पेटेंट का दर्जा दिलाने के लिए कार्यवाही प्रारंभ हुई है। जीआई पेटेंट मिलने के बाद इस तरह की इमरती और सुगंध की पहचान जौनपुर से ही जुड़ जाएगी। कोई इसकी नकल नहीं कर पाएगा।

पूर्वांचल में दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ करते सीएम योगी।

पूर्वांचल में लाभार्थी को पीएम स्वनीधि का प्रमाण पत्र सौंपते मुख्यमंत्री।

क्या खासियत होती है जौनपुर की इमरती की

जौनपुर की इमरती अपनी सादगी और शुद्धता की बदौलत पहचानी जाती है। इसको बनाने में देशी धी और देशी चीनी (खांड) का इस्तेमाल किा जाता है। आमतौर पर इमरती गर्म ही खाई जाती है लेकिन यहां की इमरती का स्वाद ठंडा पर भी बरकरार रहता है। बिना फ्रिज के इसे कई दिनों तक इसे रखा जा सकता है, जल्दी खराब नहीं होती। अपनी इसी खासियत की बदौलत इसे लोग दूसरे शहरों या देशों में लेकर जाते हैं।

सिद्दीकपुर स्थित मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए पहुंचीं महिला मरीजों से जानकारी लेते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। संवाद

समय से पहले पहुंच गए मेडिकल कॉलेज : मुख्यमंत्री तय समय से तीन मिनट पहले उमानाथ सिंह स्वशासी राज्यकीय चिकित्सा महाविद्यालय पहुंचे और लगभग 20 मिनट तक वहां रहे। उन्होंने पूर्वांचल विश्वविद्यालय में छात्रों की बनाई कलाकृतियों की प्रदर्शनी की सराहना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को दस बजे पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में बने हेलीपैड पर पहुंचे। कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्य व प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। उसके बाद मुख्यमंत्री सीधे मेडिकल कॉलेज के लिए प्रस्थान कर गए। मेडिकल कॉलेज में प्रशासनिक भवन, ओपीडी, लैब, शिक्षण कक्ष को देखा। प्राचार्य डॉ. शिव कुमार व चिकित्सकों से मंत्रणा की। लगभग 20 मिनट पचहटिया में बन रहे सीवेज ट्रीटमेंट प्लाट का निरीक्षण करने चले गए। उन्होंने अधिकारियों से गुणवत्तापूर्ण और तेजी से काम पूरा करने को कहा। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में मुख्यमंत्री के सभा मंच के पीछे प्रदर्शनी सजाई गई थी। प्रदर्शनी देखने के बाद उन्होंने प्रदर्शनी के लिए कलाकृति बनाने वाले परिषदीय विद्यालय के बच्चों की तारीफ की। प्रदर्शनी में लकड़ी से बने शाही पुल, बड़ी मस्जिद और अटाला मस्जिद आदि की प्रतिकृतियां आकर्षण का केंद्र रहीं।

दस किलोमीटर परिधि में बंद कराई गई दुकान : मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से लेकर पचहटिया तक 10 किलोमीटर की परिधि में दुकानें बंद करा दी गई थीं। आसपास फटकने वालों वालों पर लाठियां भाजी गईं। उनके जाने के बाद दुकानें खुल गईं।

मुख्यमंत्री के हेलीकाप्टर उतरते ही बिजली गुल : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलिकाप्टर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय पर 9:59 बजे पर उतरते ही क्षेत्र की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। हेलिकॉप्टर की गूंज सुनाई देते ही अचानक सराय ख्वाजा (देवकली) विद्युत उपकेंद्र से जुड़े 50 से अधिक गांव की बिजली आपूर्ति गुल हो गई।

कार्यक्रम में इनकी रही उपस्थिति : पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में राज्य मंत्री स्वतंत्रता प्रभार गिरीश चंद्र यादव, सांसद मछलीशहर वीपी सरोज, राज्य सभा सांसद सीमा द्विवेदी, एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंशु, विधायक रमेश चंद्र मिश्र, आरके पटेल, पूर्व विधायक डॉ. हरेंद्र सिंह, दिनेश चौधरी, भाजपा जौनपुर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, मछलीशहर जिलाध्यक्ष रामविलास पाल, डीएम मनीष कुमार वर्मा, एसपी अजय साहनी आदि मौजूद थे।

कुछ देर के लिए रुक गया यातायात : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आवागमन पर जौनपुर शाहगंज मार्ग पर कुछ देर के लिए यातायात ठप हो गया। लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के सख्त इंतजाम और रूट डायवर्जन किया गया था। स्कूल बंद बंद थे लेकिन बैंक, कचहरी के साथ ही सभी सरकारी दफ्तर खुले रहे। इसके बावजूद दिन में सड़कें खाली रहीं। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आसपास की सड़कों पर पुलिस तैनात थी। मुख्यमंत्री के आ जाने पर कुतुपुर चौराहे से लेकर पूर्वांचल विश्वविद्यालय तक बड़ी गाड़ियों का प्रवेश पर रोक लगा दी गई। मुख्यमंत्री के करीब 25 मिनट तक चले भाषण के बाद यातायात व्यवस्था सुचारु से शुरू हो गया।

आत्मनिर्भर बनें गांव और नगर, करेंगे मदद

मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने आत्मनिर्भर भारत अभियान की चर्चा करते हुए कहा कि गांव और नगर को आत्मनिर्भर बनाने पर सरकार मदद करेगी। ग्रामीण पूर्वजों के नाम पर स्कूल, अस्पताल, कौशल विकास का केंद्र खोलते हैं तो उनको आधा पैसा सरकार देगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अभियान की चलाने की जरूरत है। कोई ग्राम पंचायत आत्मनिर्भर बन जाए तो उसे स्मार्ट ग्राम पंचायत पंचायत बनाने के लिए प्रदेश सरकार धनराशि देगी। कोई नगर पंचयत या नगर पालिका आत्मनिर्भर बनती है तो उसे भी स्मार्ट नगर बनाने के लिए सरकार सहायता देगी। इस तरह हम नए भारत का नया उत्तर प्रदेश बनाएंगे। गांवों के विकास के लिए लोगों को आगे आने के लिए प्रेरित करें। सीएम ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति बाहर रहता है और उसका गांव में जाना कम होता है तो अपने पूर्वजों के नाम पर स्कूल, अस्पताल, कौशल विकास का केंद्र बना सकता है।

बच्चे को गोद में लेकर अन्नप्राशन कराते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

ताहिरपुर के बच्चों के जवाब सुनकर प्रसन्न हुए सीएम

पूर्वांचल विश्विद्यालय में सभा के दौरान मुख्यमंत्री ने कैंपस में बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से डिस्कवरी लैब की तरह बनाए गए स्टाल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वहां उपस्थित प्राथमिक विद्यालय ताहिरपुर सिकरारा के छात्र-छात्राओं काजल बानो, वैष्णवी सिंह, मानवी प्रजापति, संस्कृति गौतम, अंश चौरसिया, मयंक प्रजापति, अनंत मौर्य से इन उपकरणों के बारे में पूछा। बच्चों ने मुख्यमंत्री के सवाल का बेबाकी से जवाब दिया। बच्चों से जवाब पाकर वह बहुत खुश हुए। काजल बानो ने तो 30 सेकंड के अंदर 75 जनपदों के नाम बताया तो मुख्यमंत्री ने आशीर्वाद देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बच्चों का जिक्र करते हुए शिक्षकों की जमकर सराहना की। वहां उपस्थित बीएसए डा. गोरखनाथ पटेल ने बताया कि जनपद के 218 विद्यालयों में डिस्कवरी लैब का निर्माण होना है। जनपद के लगभग 700 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास रूम की व्यवस्था हो गई है। प्राथमिक विद्यालय ताहिरपुर के प्रधानाध्यापक अमित सिंह ने मुख्यमंत्री को बताया कि इस तरह के 150 से अधिक उपकरण विद्यालय में मौजूद हैं।